नटवर नागर नन्दा, भजो रे मन गोविन्दा .....

नटवर नागर नन्दा, भजो रे मन गोविन्दा
श्यामसुन्दर मुख चन्दा, भजो रे मन गोविन्दा ।।टेर।।

तू ही नटवर, तू ही नागर
तू ही बाल मुकुन्दा ।।1।। भजो रे.....
सब देवन में कृष्ण बड़े हैं
ज्यूँ तारों बिच चन्दा ।।2।। भजो रे.....
सब सखियन में राधाजी बड़ी हैं
ज्यूँ नदियाँ बिच गंगा ।।3।। भजो रे.....
ध्रुव तारे, प्रह्लाद उबारे
नरसिंह रूप धरन्ता ।।4।। भजो रे.....
कालीदह में नाग ज्यों नाथो
फण–फण नृत्य करन्ता ।।5।। भजो रे.....
वृन्दावन में रास रचायो
नाचत बाल मुकुन्दा ।।6।। भजो रे.....
मीराँ के प्रभु गिरधर नागर
काटो जम का फंदा ।।7।। भजो रे.....

निर्बल को न सताइए, जाकी ऐसी हाय।
मरे बैल के चाम सो, लोह भस्म हो जाय।।